श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर का भव्य शिलान्यास

विदिशा, **कन्छेदीलाल जैन।** परम पूज्य 108 आचार्य श्री विद्यासागरजी महामुनिराज के मंगल आशीष से उनके आज्ञानुवर्ती शिष्य 108 मुनिश्री अजितसागरजी महाराज एवं 105 ऐलक श्री विवेकानंद सागरजी महाराज के सानिध्य में दिनांक 13 मई को अनुमति त्याग प्रतिमाधारी बाल ब्र. श्री अशोक भैयाजी के प्रतिष्ठाचार्यत्व एवं मार्गदर्शन में 1008 श्री महावीर दिगम्बर जैन परमानंद मंदिर किरी मोहल्ला का शिलान्यास चौधरी प्रकाश सर्राफ, अध्यक्ष सकल दि. जैन समाज समिति विदिशा के द्वारा किया गया।

इस मंदिर के जीर्णोद्धार की प्रेरणा आचार्यश्री के आज्ञानुवर्ती शिष्य ऐलकश्री नि:शंकसागरजी महाराज से मंदिर कमेटी के बार बार निवेदन करने पर मिली। कार्यक्रम में प्रमुख शिला स्थापित करने का सौभाग्य डॉ. सतीश जैन, प्राचार्य शा. कन्या महाविद्यालय विदिशा, श्री सूरजमल आनंद कुमार, श्री मुकेश जैन (बड़ाघर), डॉ. के.एल. जैन के साथ श्री विनोद जैन, श्री प्रमोद जैन, श्री अमृतलाल सावला ने किया।

इस कार्यक्रम में सकल दि. जैन साथ मंदिर कमेटी के सभी सम्माननीय जीर्णोद्धार समिति के संयोजक डॉ. के अध्यक्ष डॉ. पदम जैन के कहने पर की घोषणा की। इस अवसर पर साधर्मी मंदिर के पुन: निर्माण में डॉ. महेन्द्र जैन इन्हीं के अथक प्रयास से ही पूर्व संपन्न हुआ।

समाज समिति, शीतल विहार न्यास के सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर महेन्द्र जैन बिस्कुट ने जीर्णोद्धार समिति शीतल विहार न्यास से राशि प्रदान करने बंधुओं द्वारा मिष्ठान्न वितरण किया गया। बिस्कुट का अकथनीय सहयोग रहा। निर्धारित तिथि पर शिलान्यास कार्यक्रम

विदिशा, **कन्छेदीलाल जैन।** शासन नायक भगवान महावीर स्वामी का जन्म जयंती महोत्सव उत्साह उमंग एवं उल्लास के साथ 3 दिन तक विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। चैत शुक्ला त्रयोदशी के एक दिन पूर्व प्रात:काल की बेला में श्री चन्द्रप्रभु मंदिर, अरिहन्त विहार मंदिर, किले अंदर, छोटा जैन मंदिर एवं एक पार्श्वनाथ जिनालय, राम द्वारा से प्रभातफेरी निकालकर भगवान महावीर स्वामी का **''जीओं और जीने दों''** का संदेश जन–जन तक पहुँचाया। प्रभातफेरी का समापन माधवगंज में कीर्ति स्तंभ पर ध्वजा रोहण के साथ हुआ।

चैत्र शुक्ला त्रयोदशी शनिवार को किले अंदर छोटा जैन मंदिर से श्री जी की शोभायात्रा मुनिश्री 108 अजित सागरजी एवं ऐलक श्री 105 विवेकानंद सागरजी के सानिध्य में नगर के प्रमुख मार्गो से होती हुई माधवगंज पर आकर संपन्न हुई। वित्तमंत्री (म.प्र. शासन) श्री राघवजी भाई, ह्दय मोहन जैन तीर्थ रक्षा कमेटी एवं श्री चौधरी प्रकाश सर्राफ अध्यक्ष दिगम्बर जैन समाज के समक्ष एवं विशाल जन समुदाय की उपस्थित में श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इसके पूर्व मुनि श्री अजित सागरजी ने भगवान महावीर स्वामी के जीवन पर प्रकाश डाला । तत्पश्चात निराश्रितों एवं असहाय लोगों के लिए वस्त्र एवं भोजन का वितरण किया गया। शासकीय जिला अस्पताल में मरीजों को फल वितरण किए गये। संध्याकालीन बेला में श्री शीतलधाम में सामूहिक आरती, भजन एवं भगवान के पालने का कार्य सम्पन्न हुआ। रविवार को प्रात: शीतलधाम में आदिनाथ भगवान का अभिषेक शांतिधारा, सामूहिक पूजन एवं महावीर स्वामी विधान का आयोजन किया गया । दोपहर में भगवान महावीर स्वामी के जीवन से संबंधित खुला प्रश्न मंच का आयोजन किया गया। 16–17 अप्रैल को श्री चन्द्र प्रभु मंदिर में चन्द्र प्रभु महिला मण्डल द्वारा घुटना दर्द निवारक केम्प का आयोजन किया गया लगभग 400 मरीजों ने शिविर का लाभ लिया। इसी दिन शाम को शीतलधाम में नगर की पाठशाला की शिक्षिकाओं एवं विभिन्न महिला मण्डलों की सदस्यों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई।

जबलपुर

जबलपुर, **रविन्द्र जैन।** ''जीयो और जीने दो'' के उद्गार देने वाले अहिंसा के प्रवर्तक भगवान महावीर स्वामी के जन्म जयंती पर नगर में समग्र जैन समाज द्वारा पांच दिवसीय कार्यक्रम में प्रभात फेरी, स्कूटर रैली, अहिंसा सम्मेलन, शोभायात्रा व कवि सम्मेलन हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ आयोजित हुये।

इस श्रृंखला में मुनिश्री प्रबुद्धसागरजी महाराज द्वारा केन्द्रीय कारागार में आयोजित सभा में उन्होने कहा कि – मानव जीवन में अहिंसा का एक अलग स्थान होना चाहिये, अहिंसा को ग्रहण करने से वह अनेक प्रकार की व्याधियों से मुक्त हो जाता है। शोभायात्रा कार्यक्रम हुनमान ताल जैन मंदिर से शुरु होकर सभी जैन मंदिरो की श्रीजी पालकियां व अन्य झाकियां प्रमुख मार्गों से होती हुई कमानिया गेट पर पहुंचा, जहां अभिषेक पूजन के साथ समारोह संपन्न हुआ। गोलारीय जैन समाज के सदस्यों ने सभी कार्यक्रम में पूर्ण मनोयोग से हिस्सा लेते हुए महावीर जयंती पर्व भक्तिभाव एवं आनंदपूर्वक मनाया।

खतौली संभागीय अधिवेशन संपन्न एवं डा. कपूरचंद जैन का नागरिक अभिनंदन ।

खतौली । श्री दिगम्बर जैन महासमिति उत्तर प्रदेश/उत्तरांचल संभाग खतौली का संभागीय अधिवेशन गरिमामय रूप में स्थानीय सुप्रसिद्ध सुशीला गार्डन में सम्पन्न हुआ। गौरव की पर्व के रूप में आयोजित किया, जो एक प्रारम्भ श्री अमरचन्द जैन सर्राफ द्वारा पब्लिक स्कूल के छात्र–छात्राओं ने श्री ध्वनि कर सबका मन मोह लिया। प्रदेश/उत्तराचंल के अध्यक्ष श्री एम.एस. कार्यक्रम मेरे देखने में नही आया। लिये सभी को प्रेरित किया। समारोह लाल जैन ने पूरे देश में चल रही

डॉ. कपूरचंद जैन का नागरिक अभिनंदन करते अतिथिगण

बात है कि आयोजकों ने इसे सद्भावना नई परम्परा की शुरूआत है। समारोह का ध्वजारोहण के साथ हुआ। के.के. संजीव जैन के निर्देशन में सुमधुर बैंड समारोह की अध्यक्षता करते हुए उत्तर जैन मेरठ ने कहा कि ऐसा सम्भागीय उन्होंने नेत्रदान और शिक्षा योजना के गौरव राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री जवाहर महासमिति की गतिविधियों की जानकारी दी, विशेष रूप से शिक्षा योजना, स्मार्ट कार्ड योजना तथा दिगम्बर जैन समाज की एक पूर्ण वेबसाइट का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि केन्द्र में जैन समाज को अल्पसंख्यक का दर्जा दिलाने के लिये महासमिति पूर्ण मनोयोग से प्रयासरत है। संभागीय अध्यक्ष श्री विमल कुमार जैन, पूर्व प्रधनाचार्य ने जैन एकता पर बल दिया। आंचलिक महामंत्री सुखमाल चंद जैन ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्रों में जैन समाज के युवक–युवतियों का आरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस अवसर पर नगर की दो विशिष्ट विभूतियों का नागरिक अभिनंदन किया गया। गोलालारीय दर्शन के परामर्श प्रमुख व स्वतंत्रता संग्राम में जैन ग्रन्थ के लेखक डा. कपूरचंद जैन ने अपने सम्मान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अहिंसा आज भी प्रासंगिक है। उन्होने सभी बैनर, लैटर पेड आदि पर वीर निर्वाण संवत् लिखने का आग्रह किया। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संघ के प्रांतीय मंत्री श्री राजेश जैन ने सम्मान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए जैन समाज के लोगों को राजनीति में आगे आने की प्रेरणा दी। समारोह का सफल संचालन डा. श्रीमती ज्योति जैन ने किया।

समारोह को सफल बनाने में विजेन्द्र कुमार, नीरज, अजय, योगेन्द्र, रमनलाल, नरेन्द्र, प्रभात, सुरेन्द्र, कमल, उज्ज्वल, नरेन्द्र, रामकुमार, सुधीर, राजीव, विनोद, अलका, कन्हैया जैन, आर.डी. जैन, पिंकी, रजनी, अलका, ऊषा, अनिता, ललिता, अंजलि जैन आदि का विशेष सहयोग रहा। गोलालारीय दर्शन परिवार परामर्श प्रमुख डॉ. कपूरचंद जैन उनकी इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाईयां प्रेषित करता है।

जाति जनगणना में सिर्फ जैन लिखें

स्वतंत्र भारत में प्रथम बार जातिगत जनगणना जून 2011 से प्रारंभ हो चुकी है। भारत सरकार के जनगणना प्रपत्र में 'जैन' जाति को अलग से जगह दी गई है। हमारा आपसे विनम्र अनुरोध है कि आपको जाति में सिर्फ 'जैन' ही लिखना है अपना गोत्र, उपनाम व अन्य कुछ नही लिखना है।

गत अंक में हमने गोलालारीय समाज का जनगणना फार्म प्रकाशित किया था । अनेको परिवार के फार्म भरकर प्राप्त हो चुके है यदि आपने फार्म नही भेजा है या आपको फार्म प्राप्त नही हुआ है तो अपने गांव/शहर में गोलालारीय दर्शन के क्षेत्रीय प्रतिनिधि से सम्पर्क कर फार्म प्राप्त कर शीघ्र भरकर भेजे ।

समाज के गौरव

संभव जैन ने वर्ष 2004 में अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर बी.ए., एल.एल.बी. (ऑनर्स) में प्रथम वर्ष में प्रवेश किया। केम्पस सिलेक्शन में कोल इंडिया लिमिटेड (केन्द्रीय इकाई की महारत्न कंपनी) में वरिष्ठ अधिकारी (लॉ) के पद पर वर्ष 2009 से कार्यरत है। इनके पिता श्री अशोक कुमार जैन सेवानिवृत्त न्यायाधीश एवं माता धार्मिक गृहणी है।

यह चमत्कार है।

कुछ दिनों पूर्व जापान मे आए विनाशकारी भूकंप में टोक्यो के ओकाचिमाकि विस्तार में गुजरात के जैन परिवारों द्वारा बनाए गए जैन मंदिर को भी काफी नुकसान हुआ परन्तु चमत्कार देखिए श्री भगवान महावीर की प्रतिमा को इस विनाशकारी भूंकप में कुछ भी क्षति नहीं पहुंची। श्रावकों ने श्रद्धापूर्वक व सम्मान के साथ भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा को अन्य स्थान पर विराजित कर नियमित रूप से पूजा अर्चना जारी है। प्रस्तुत तस्वीर टोक्यों में निवासरत हीरा व्यापारी राकेश शाह द्वारा प्राप्त हुई।

अ.भा. शास्त्री परिषद की बैठक पोदनपुर में।

इन्दौर, बाहुबली जैन। उपाध्याय ज्ञानसागरजी महाराज के सानिध्य में अ. भा. शास्त्री परिषद की बैठक 15 से 19 जून तक पोदनपुर मुंबई में आयोजित होना है। इस अवसर पर प्रशिक्षण शिविर व दि. 18–19 जून को शास्त्री परिषद की बैठक अध्यक्ष डॉ. श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत, उपाध्यक्ष डॉ. कपूरचंद जैन खतौली, सचिव श्री जयकुमार निशांत टीकमगढ़ के सानिध्य में आयोजित होगी, तत्पश्चात पुरुस्कार वितरण का आयोजन संपन्न होगा। इस अवसर पर कानपुर गोलालारीय समाज के वरिष्ठ सदस्य पं. बच्चूलालजी का सम्मान भी होना है। 400 सदस्यों की इस परिषद के लगभग 200 से भी अधिक दिगम्बर जैन समाज के विद्वान इस कार्यक्रम में एकत्रित होने की संभावना है।

परिचर्चा

क्या मृत्यु भोज का आयोजन उचित है ?

क्रांतिकारी संत तरूण सागर जी ने इन्दौर मे इस विषय पर अपने विचार इस प्रकार रखे – ''मेरा मानना है कि रात्री भोजन से बड़ा पाप है मृत्युभोज । मृत्युभोज भारतीय समाज के माथे पर लगा कुप्रथा का कलंक है । मृत्युभोज महज एक कुरीति ही नही बल्कि गरीबों के साथ किए जाने वाला एक क्रूर मजाक भी है। आप जिंदा है तो किसी के मरे पर मत खाइए । मृत्युभोज में खाना – मुर्दे का मांस खाने जैसा है''

आप इस विषय पर अपने विचार हमें शीघ्र भेजें। क्या आप चाहते है कि यह कुप्रथा समाज में खत्म होनी चाहिये ? तो इसे किस तरह समाप्त किया जाये । यदि यह प्रथा सही है तो क्यों ? और आगे इसका स्वरुप कैसा हो। आप अपने विचार एवं कार्ययोजना हमें भेजे ताकि समाज में इस प्रथा को खत्म करने या जारी रखने के लिए किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जा सके ।